एक्सप्रेस न्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 15 | पीलीभीत, मार्च 2026 | (हि०मा०) | पृष्ठ 8 | मूल्य :5 रूपया

दिल्ली में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

महिला सशक्तिकरण सिर्फ सरकार नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में महिलाओं की उपलब्धियों को सराहते हुए हिंसा और आर्थिक असमानता जैसी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्चा महिला सशक्तिकरण स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता, समान अवसर और सुरक्षा सुनिश्चित करने में निहित है। सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित 'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में शिरकत की और संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह सैनिकों के रूप में देश की सीमाओं की रक्षा करना हो, वैज्ञानिकों के रूप में शोध करना हो या अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में देश का नाम रोशन करना हो। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक सेवा, प्रशासन और व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं और देशभर में दीक्षांत समारोहों में डिग्री और पदक प्राप्त करने वाली लड़कियों की बढ़ती संख्या एक प्रेरणादायक तस्वीर पेश करती है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक रूढ़िवादिता और स्वास्थ्य संबंधी उपेक्षा जैसी चुनौतियाँ महिलाओं की प्रगति में बाधा बनी हुई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एक महिला तभी सही मायने में सशक्त होगी जब वह स्वतंत्र निर्णय ले सकेगी, आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सकेगी और उसे समान अवसर और सुरक्षा प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि एक सशक्त महिला न केवल अपना जीवन बदल सकती है, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों की दिशा भी बदल सकती है। सरकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना जैसी योजनाएँ लड़कियों की शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा दे रही हैं, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाखों महिलाओं को धूम्रपान से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण प्राप्त करने में सक्षम बना रही है, और लखपति दीदी योजना जैसी पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रही हैं।

अमित शाह का दावा

बंगाल में तुष्टिकरण से विकास नहीं हो सकता, आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है राज्य

(पश्चिम बंगाल)। अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की सरकार को आड़े हाथों लिया। तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए शाह ने दावा किया कि बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का षड्यंत्र ममता बनर्जी ने किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल के हिंदू और मुसलमान दोनों आपको जान चुके हैं। इस साल के चुनाव में आपकी विदाई तय है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बंगाल में चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में एक जनसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस की नीतियों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण से राज्य का विकास नहीं हो सकता। शाह ने दावा किया कि राज्य आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है। शाह ने मदरसों को मिलने वाली आर्थिक मदद पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने दूसरे राज्यों

के विपक्षी दलों की सियासत पर भी हमले बोले। उन्होंने बिहार, असम, तमिलनाडु जैसे राज्यों में परिवारवाद का आरोप लगाते हुए तेजस्वी यादव, गौरव गोगोई और एमके स्टालिन की राजनीति पर भी तीखी टिप्पणी की। आगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर विकास का नया दौर शुरू करना चाहती है। शाह ने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य का विकास प्रभावित हुआ है और बंगाल की स्थिति लगातार खराब हुई है। ममता बनर्जी पर अमति शाह ने साधा निशाना अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर गलती से फिर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो सरकार ममता बनर्जी नहीं बल्कि उनके भतीजे द्वारा चलाई जाएगी।

मिडिल ईस्ट के तनाव से भारत में हिंसा भड़कने का खतराः

गृह मंत्रालय ने राज्यों को भेजा अलर्ट, कट्टरपंथी उपदेशकों पर नजर रखने के निर्देश

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भीषण संघर्ष की लपटें अब भारत की सीमाओं तक पहुंचने की आशंका जता रही हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद अमेरिका और इजरायल ने तेहरान सहित ईरान के प्रमुख शहरों पर अब तक के सबसे घातक हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों में ईरान के दर्जनों शीर्ष सैन्य कमांडर और नेता मारे जा चुके हैं ईरान ने बदले की कार्रवाई में इजरायल, यूएई, कुवैत, कतर, बहरीन समेत कम से कम 9 देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। खामेनेई की मौत के विरोध में कई देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं, जबकि भारत में भी कुछ जगहों पर ईरान समर्थक प्रदर्शन देखे गए हैं। जहां लोग काफी आक्रमक नजर आए हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने सतर्कता बरतते हुए सभी राज्यों को हाई अलर्ट जारी किया है। गृह मंत्रालय ने 28 फरवरी को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विस्तृत पत्र भेजा है, जिसमें मध्य पूर्व संकट के चलते भारत में संभावित हिंसा और अशांति की आशंका जताई गई है। ईरान समर्थक कट्टरपंथी उपदेशकों और भड़काऊ भाषण देने वालों की पहचान और निगरानी तुरंत शुरू करें, मध्य पूर्व युद्ध से जुड़े प्रदर्शनों पर सतर्क नजर रखें,किसी भी तरह की हिंसा या सांप्रदायिक तनाव की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें,कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी संभावित उपाय अपनाएं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वीडियो संदेश में ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, जब तक हमारे सभी उद्देश्य पूरे नहीं हो जाते, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। अमेरिका का दावा है कि इन हमलों में खामेनेई के अलावा 40 से अधिक ईरानी नेता और कमांडर मारे गए हैं।

एनसीआर में एक्यूआई में गिरावट, अधिकांश इलाके येलो जोन में, होली पर 34 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों चल रही तेज सतही हवाओं का असर अब वायु गुणवत्ता पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों की तुलना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है और दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद के करीब 90 प्रतिशत इलाके येलो जोन यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मॉनिटरिंग स्टेशनों से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों का हाल बताए तो अलीपुर द 166, आनंद विहार, 258 (सबसे अधिक), अशोक विहार द 181, आया नगर, 147, बवाना,207, बुराड़ी क्रॉसिंग, 161, चांदनी चौक, 194, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, 154, सीआरआरआई मथुरा रोड, 147 और डीटीयू, 150 एक्यूआई दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि दिल्ली के अधिकांश स्टेशन 150 से 200 के बीच दर्ज किए गए, जबकि आनंद विहार 258 के साथ अपेक्षाकृत खराब श्रेणी में रहा।

पश्चिम एशिया युद्ध की मार, केरल से खाड़ी देशों की उड़ानें लगातार तीसरे दिन ठप, सैकड़ों यात्री फंसे

कोच्चि। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण केरल से खाड़ी देशों के लिए उड़ानें सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी प्रभावित रहीं। अधिकारियों ने संकेत दिया कि यह व्यवधान कुछ और दिनों तक जारी रह सकता है। कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को कोच्चि से रवाना होने के लिए निर्धारित करीब 45 उड़ानों को रद्द दिखाया और इतनी ही यहां पहुंचने वाली उड़ानें रद्द दिखाई गईं। हालांकि, ओमान एयर की एक उड़ान सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर मस्कट के लिए रवाना हुई। इसी तरह, सऊदिया की जेद्दा और रियाद जाने वाली उड़ानें, ओमान एयर की मस्कट जाने वाली एक उड़ान, एतिहाद एयरवेज की अबू धाबी जाने वाली उड़ान और स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली उड़ानें निर्धारित समय पर रवाना होना दिखा रहा है। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (टीआईएएल) ने बताया कि सोमवार को खाड़ी क्षेत्र के लिए निर्धारित 20 उड़ानें रद्द रहीं। पिछले तीन दिनों में तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से आने-जाने वाली कुल 65 उड़ानें रद्द की गई हैं। सूत्रों के अनुसार, मस्कट से ओमान एयर की एक उड़ान सुबह सात बजकर 20 मिनट पर पहुंची और करीब साढ़े आठ बजे रवाना हुई। कन्नूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (केआईएएल) ने अपनी वेबसाइट पर खाड़ी देशों के लिए निर्धारित 10 उड़ानें को रद्द दिखाया है।

संपादकीय

वैश्विक व्यवस्था पर बड़ा खतरा

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की शनिवार को हत्या के बाद अब वैश्विक व्यवस्था बदलने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने मिलकर शनिवार सुबह-सुबह हमला किया और इसे अपने बचाव के लिए किया गया हमला बताया। हालांकि यह खोखले बहाने से ज्यादा कुछ नहीं है। असल बात यह है कि इजरायल और अमेरिका लंबे अरसे से ईरान पर हमले की योजना बना रहे थे। पिछले साल जून में किए हमले का तगड़ा जवाब ईरान ने दिया था। तब भी खामनेई को मारने की कोशिश की गई थी, हालांकि इसमें उसे सफलता नहीं मिली थी। जून के बाद ईरान को आर्थिक नुकसान हुआ था। इसके बाद इस साल की शुरूआत में ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिसकी वजह से आंतरिक तौर पर भी कमजोरी आई। अब इजरायल और अमेरिका ने इसी बात का फायदा उठाया। बहाना हमेशा की तरह आतंकवाद और परमाणु बम बनाने का खतरा रहा है। हालांकि अमेरिका अब तक यह साबित नहीं कर पाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाए हैं। क्योंकि परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को ईरान ने हमेशा नागरिक हितों के उद्देश्य के लिए बताया है। लेकिन यह अमेरिका की मर्जी है कि वह किसी देश की बात सुने या न सुने। तो उसने ईरान की नहीं सुनी और उसके सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी। ठीक वैसे ही जैसे इससे पहले अरब के कई देशों में लोकतंत्र लाने के नाम पर पहले गृहयुद्ध छिड़वाए, फिर वहां तख्तापलट किए। लीबिया में कर्नल गद्दाफी, मिस्र में होस्नी मुबारक, सीरिया में बशर अल असद ऐसे कई शासनाध्यक्ष अच्छे थे या बुरे थे, ये तय करने का हक वहां की जनता को था। लेकिन अमेरिका ने इसमें लगातार दखल दिया और अब उन देशों का क्या हाल है, ये पूरी दुनिया देख रही है। इनसे पहले इराक में भी विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर अमेरिका ने हमला किया था और सद्दाम हुसैन को फांसी तक दे दी। हालांकि वो हथियार कभी नहीं मिले और अब इराक भी तबाह है। ईरान को भी अमेरिका उसी राह पर धकेल रहा है। इससे पहले ताजा उदाहरण वेनेजुएला का है। जहां डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी समेत अगवा ही करवा लिया और इसके लिए उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों को रिश्वत भी दी। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमेरिका में मुकदमा चल रहा है। लेकिन इसका नतीजा क्या होगा, ये कोई नहीं बता सकता। तो दुनिया को एकध्रुवीय बनाने के लिए अमेरिका कितनी चालें चलता रहा है, यह खुली किताब में दर्ज है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से अमेरिका में एक हनक और सनक तारी है कि वर्ल्ड ऑर्डर, यानी दुनिया में क्या, किस तरह से होने चाहिए यह अमेरिका ही तय करेगा और वही होने देगा, जिसमें उसका फायदा रहे। अगर उसे ऐसा लगेगा कि कोई देश उसके कहे मुताबिक नहीं चल रहा है, तो वह सीधे आक्रमण करेगा या फिर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री किसी की भी हत्या करवा देगा। इजरायल भी यही करता रहा है और यह कहने में गुरेज नहीं कि इजरायल अमेरिका के लिए एनेक्सी यानी अतिरिक्त सहायक इमारत (देश) ही है। तीसरी दुनिया के कई देश अमेरिका की इस नीति के भुक्तभोगी रहे हैं। इसलिए नेहरूजी ने जब गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो कई देशों ने इसका स्वागत और समर्थन किया। इस वजह से दुनिया में एक संतुलन वाली व्यवस्था बनी रही। बेशक रूस और चीन भी अपनी ताकत उन कमजोर देशों पर आजमाते रहे, जिनसे उन्हें तकलीफ थी, लेकिन अमेरिका जैसी बेशर्मी इन देशों ने भी नहीं दिखाई। मगर अब न नेहरूजी भारत का नेतृत्व कर रहे हैं, न उनके विचारों पर देश और दुनिया चल रहे हैं और न अमेरिका में लोकतंत्र का थोड़ा बहुत लिहाज रखकर चलने वाला नेता है। वहां खांटी व्यापारी डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में है, जिनके लिए हर चीज एक सौदा ही है। अफसोस इस बात का है कि भारतीय नेतृत्व भी इस समय व्यापारी मानसिकता से ही संचालित हो रहा है। जिसमें नैतिकता, मानवता, पारंपरिक नीतियां, पुरानी दोस्ती हर बात को ताक पर रखकर अमेरिका की जी हुजूरी करने को मास्टर स्ट्रोक मान लिया गया है। वर्ना क्या कारण है कि ईरान पर हमले और खामनेई की हत्या के 12-14 घंटे बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफसोस का एक वाक्य जाहिर नहीं किया। क्या ईरान से बरसों पुरानी दोस्ती को भारत सरकार ने इतनी आसानी से खत्म कर दिया है या इजरायल और अमेरिका ने अपने ख्याली आरोपों की आड़ में जिन मासूमों को मारा, उसमें प्रधानमंत्री मोदी को कोई आपत्ति नहीं है। मोदी इस समय किस तरफ हैं, यह देश को खुलकर बताना चाहिए। ध्यान दीजिए कि ईरान पर यह हमला तब हुआ जब दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी इजरायल के दौरे पर थे और वहां की संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने हमेशा इजरायल का साथ देने का ऐलान किया था। उस समय ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इजरायल में फिलीस्तीनियों के अधिकारों की बात उठाने की अपील की थी, लेकिन मोदी ने इस बारे में कोई बात नहीं की। व्यक्तिगत तौर पर वे चाहे जिसके मुरीद रहें, लेकिन देश का प्रधानमंत्री वैश्विक संकट के ऐसे मौके पर किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह जानने का हक जनता को है। भारत के लिए ईरान पर मंडरा रही अस्थिरता इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप हमारे मामले में दखल देते रहे हैं, उसमें यह संप्रभुता कब तक बरकरार रहेगी, यह सोचने वाली बात है। मई में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जब पाकिस्तान पर भारत निर्णायक बढ़त बना सकता था, तब ट्रंप के कहने पर ऑपरेशन रोक दिया गया। इसके बाद अनगिनत बार ट्रंप ने कहा है कि मैंने युद्ध रुकवाया।

अमेरिका का विश्व में आतंक, फायदा केवल पाकिस्तान को

शकील अख्तर

युद्ध में हत्याएं नहीं होती। हत्या होती है आतंकवाद में। जो अमेरिका सबसे ज्यादा आतंकवाद के खिलाफ बात करता है वही अब सबसे बड़ा आतंकवादी बन कर दिखा रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कहीं युद्ध के मोर्चे पर नहीं थे। उनके दफ्तर में मुखबिरों की मदद से उनकी हत्या कर दी गई। क्या मैसेज है? कि कोई नेता नहीं। पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर होकर वे खुद को सुरक्षित समझते हैं। मगर यह भूल जाते हैं कि सुरक्षित तभी तक हैं जब तक अमेरिका के उद्देश्यों की पूर्ति कर रहे हैं। जैसे ही एक भी हां में हां सही स्वर में नहीं मिलाई वह अब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं करता सीधे कत्ल ही कर देता है। दो उदाहरण बताए। दो सबसे ताकतवर मुस्लिम देशों के शासकों के। ईराक के सद्दाम हुसैन और ईरान के खामेनेई के। के बाद से पाकिस्तान क्यों ट्रंप को ज्यादा से ज्यादा खुश करने में लगा हुआ है। अगर कोई नहीं जानता तो वह हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। जो या तो जानते नहीं हैं। या जैसा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कह रहे हैं कि उनकी गर्दन दोनों हाथ से ट्रंप ने दाब रखी है। ट्रंप के एक हाथ में बदनाम एपस्टीन की फाइलें हैं। राहुल के अनुसार अभी 35 लाख और हैं। और राहुल का ही दावा है कि उसमें प्रधानमंत्री मोदी के

अपने देश में भी सुरक्षित नहीं है। उसके आसपास के लोग खरीदे जाएंगे और जब अमेरिका को वह फायदेमंद नहीं लगेगा उसे खतम कर दिया जाएगा। पहले अमेरिका उन्हें बदल देता था। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में यह उसने बहुत किया है और आज वहां उसका सबसे वफादार आदमी प्रधानमंत्री बनकर बैठा है। खैर पाकिस्तान पर हम लिखेंगे इसी लेख में आगे मगर पहले अमेरिका की दादागिरी और दुनिया के 55 से ज्यादा मुस्लिम देशों के आत्मसमर्पण पर। ईरान में खामेनेई की हत्या से पहले वह इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मार चुका है। उस समय भी मुस्लिम देश खामोश रहे और आज तो उनमें से अधिकांश बेशर्मी के साथ अमेरिका के साथ खड़े हैं। इजराइल का नाम हम इसलिए नहीं लिख रहे कि उसका अपना अलग से कोई अस्तित्व नहीं है। वह जो है अमेरिका की सहायता से ही है। हां, लेकिन फिर भी सऊदी अरब, कुवैत, यूएई और भी कई मुस्लिम देश गजा के नरसंहार से आंखें मूंदकर उससे दोस्ती कर चुके हैं और अमेरिका के तो सब गुलाम हैं। अमेरिका केवल आज्ञाकारी शासक चाहता है। जनता से उसे कोई मतलब नहीं होता। वह शासकों की पूरी मदद करता है कि वे अपनी जनता को अशिक्षित, अंधविश्वासी बना कर रखें। मुस्लिम देश यही कर रहे हैं। साइंस टेक्नालाजी अंग्रेजी की पढ़ाई कहीं नहीं है। पीढ़ियां पीछे की तरफ जा रही हैं। ऐशोआराम के नकली सामान जो अमेरिका पहुंचाता है उनका उपयोग शान के साथ करते हैं। खुद के यहां कुछ नहीं बनता। यहां तक कि जो सबसे बड़ी दौलत है तेल उसे भी अपने आप नहीं निकाल सकते। साफ करना तो दूर की बात है। तेल भी अमेरिका ही निकालता है और वही बताता है कि किसे बेचना है किसे कत्ल। आतंकवाद का एक पहलू और होता है डर ज्यादा से ज्यादा फैलाना। तो इसके लिए वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाकर ले गया। सोचिए किसी देश में घुसकर उसके राष्ट्रपति और उस की पत्नी को भी उठाकर ले जाना! और विश्व चुप रहे! गुंडागर्दी, आतंकवाद, डर और किसको कहते हैं? मुस्लिम देश अभी समझ नहीं रहे। वे तो अमेरिका के द्वारा दी गई सुविधाओं और सुरक्षा के झूठे आश्वासनों में झूम रहे हैं। लेकिन शासकों के एशोआराम अलग बात है लेकिन अगर ईरान की जनता लड़ गई तो यह मैसेज पूरे मुस्लिम देशों में जाएगा कि उनके भी अब खड़े होने का वक्त आ गया है। अरब देशों की जनता को वहां के शासक अमेरिका से मिलकर बाकी दुनिया से कई साल पीछे कर चुके हैं और उसी का नतीजा है कि आज जब लड़ाई ड्रोनों, मिसाइलों, कंप्यूटर से हो रही है तो वे उसके लड़ने की सोच भी नहीं सकते। कल उनके साथ कुछ होगा तो सिवा समर्पण के वे कुछ नहीं कर सकते। ईरान पर अमेरिका इजराइल के हमले के बहुत पहलू हैं। अगर रुस और चीन खड़े नहीं हुए तो एक ध्रुवीय व्यवस्था बन जाना। तेल के दाम बढ़ जाना। स्ट्रेट आफ होर्मुज (जलडमरू मध्य) बंद हो जाने से तेल का आना ही रुक जाना। मगर इस समय हम दो ही मुद्दों पर बात करना चाह रहे हैं। एक, जो लिखा कि 55 से ज्यादा देश होते हुए, एक शानदार विरासत रखते हुए, प्राकृतिक संसाधनों तेल से भरपूर होते हुए केवल समय के साथ न चल पाने के कारण आज किस तरह अमेरिका और इजराइल के भी पिछलग्गू बन गए।

दूसरा मुद्दा सीधा भारत से जुड़ा है। देश के सभी सीनियर डिप्लोमेट्स, टाप्ब्यीरोक्रेट और रक्षा विशेषज्ञ जानते हैं कि आपरेशन सिंदूर बारे में है!

एक उस हाथ का दबाव। दूसरा हाथ अडानी के खिलाफ क्रिमिनल केस लिए हुए है और राहुल कहते हैं अडानी का केस मतलब भाजपा का पूरा आर्थिक साम्राज्य। अडानी पर अगर कार्रवाई होती है तो भाजपा का सारा पैसा जो उसके पास है डूब जाएगा। खत्म हो जाएगा। राहुल कहते हैं इन दोनों कारणों से मोदी जी ट्रंप के सामने बोल नहीं सकते। फिलहाल राहुल इस दबाव की वजह से अमेरिका से हुई डील और उससे देश की खेती किसानी तबाह हो जाने, गारमेन्ट इंडस्ट्री खत्म हो जाने और देश के छोटे और लघु मध्यम उद्योग धंधे (एमएसएमई) की कमर टूट जाने की तरफ देश का ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। आर्थिक तूफान की चेतावनी दे रहे हैं। लेकिन एक और जो इसका महत्वपूर्ण पार्ट है उस पर अभी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। हां जैसा कि ऊपर लिखा देश का डिप्लोमेट ब्यूरोक्रेट रक्षा अधिकारी इसको समझ रहे हैं। लेकिन या तो वे प्रधानमंत्री से बोल नहीं पा रहे या मोदी सुनकर भी राहुल के शब्दों में कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। वे पूरी तरह कम्प्रोमाइज्ड (समझौते के अन्तर्गत, दबाव में) हैं। पाकिस्तान ट्रंप को खुश करके कश्मीर मुद्दा उठाना चाहता है। याद कीजिए आपरेशन सिंदूर में जब हमारी सेना पाकिस्तान को निर्णायक सबक सिखाने जा रही थी तो ट्रंप ने न केवल सीज फायर करवाया बल्कि कश्मीर मामला हल करने की भी बात कही थी। पाकिस्तान यही चाहता है। जबकि हमारा स्टैंड बिल्कुल स्पष्ट है कि कश्मीर अन्तरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं है। इस पर कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

> अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफेंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफेंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं। ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरूआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर-डिफेंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट-कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है।

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रैसिडैंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफेंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफेंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं।

ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरूआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर-डिफेंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट-कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा। ट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक-मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफेंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं। ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.-3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफेंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था। अमरीका का सबसे बड़ा वॉरशिप फोर्ड पिछले जून से समुद्र में है और अब 11 महीने की तैनाती के लिए तैयार है, जो किसी अमरीकी वॉरशिप के सबसे लंबे लगातार मिशन का रिकॉर्ड तोड़ देगा।

ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच युद्ध, 500 करोड़ से ज्यादा का माल और 40 लाख का कुल्फी का ऑर्डर रुका

कानपुर। ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के चलते सौ करोड़ के चमड़ा उत्पाद बीच समुद्र में रुक गए हैं। 400 करोड़ से ज्यादा के उत्पाद फैक्टरियों में रखे हैं। माल डिलीवर होने के रास्ते बंद होने से समस्या बढ़ गई है। दुबई जाने वाला 500 करोड़ से ज्यादा का माल रुक गया है। उद्यमी परेशान हैं। ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के चलते शहर से दुबई में होने वाला कारोबार थम गया है। 400 करोड़ से ज्यादा के चमड़ा, कपड़ा, मशीनरी, मसाले समेत अन्य उत्पाद फैक्टरियों में तैयार रखे हैं पर माल डिलीवर होने के रास्ते बंद हैं। अकेले चमड़े के सौ करोड़ के उत्पाद बीच समुद्र में रुके हैं। पहले अमेरिकी ट्रैरिफ और अब युद्ध के चलते उद्यमियों को

फिर आर्थिक चोट लगी है। आयात निर्यात विशेषज्ञ जफर फिरोज ने बताया कि युद्ध शुरू होने से खाड़ी देशों में जाने वाला माल रोक दिया गया है। आने वाले दिनों तक चमड़ा समेत अन्य कारोबारों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बताया कि 300-400 रुपये का अकेले चमड़े का माल फैक्टरियों में बना रखा है। इसके अलावा 100 करोड़ रुपये का माल जो कुछ दिन दिन पहले पानी के जहाज से दुबई के लिए भेजा गया था, वह आधे रास्ते ही पहुंचा है। कारोबारियों को समझ नहीं आ रहा कि क्या करें। उसे आगे भेजें या वापस बुलाएं। आगे भेजने का तो सवाल ही नहीं है क्योंकि एयरपोर्ट के अलावा पोर्ट भी बंद है। अगर वापस बुलाते हैं तो अतिरिक्त किराये का बोझ बढ़ जाएगा। उन्होंने बताया कि पानी वाले जहाज से चमड़ा उत्पाद और कपड़े भेजे जाते हैं। हवाई जहाज से सैडलरी-पर्स जैसे माल को भेजा जाता है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अगर इस लड़ाई में ईरान ने समुद्र का रास्ता बंद कर दिया तो परेशानी बहुत बढ़ जाएगी। ऐसे में जहाज को घुमाकर अफ्रीकी देशों से होते हुए जाना होगा जो बेहद महंगा पड़ेगा और व्यापार करना हमारे लिए मुश्किल हो जाएगा। 40 लाख का कुल्फी का ऑर्डर रुका कुल्फी का कारोबार करने वाले राजकुमार भगतानी और उनके बेटे मानस भगतानी का 40 लाख का कुल्फी का ऑर्डर सऊदी अरब जाने वाला था पर युद्ध के चलते ऑर्डर रुक गया है। राजकुमारर ने बताया कि शहर से कुल्फी सऊदी अरब सिर्फ हमारे यहां से ही जाती है। कुछ समय पहले हमें वहां से 40 लाख का ऑर्डर मिला जिसे हमने तैयार कर लिया। सोमवार सुबह उसे भेजा जाना था लेकिन हालात खराब होने के चलते रोक दिया गया है। माल को वेयर हाउस में रखा है जिसका किराया अलग से देना पड़ रहा है। मसालों के नहीं मिल रहे ऑर्डर गोल्डी मसाले के निदेशक आकाश गोयनका ने बताया कि दुबई, यमन, लीबिया आदि देशों में हमारे यहां से मसालों का निर्यात किया जाता है। माहौल खराब हो जाने से दुबई के साथ ही इन सभी देशों से भी ऑर्डर मिलने रुक गए हैं। इन देशों में हमारा माल नियमित जाता रहता है। दो से तीन दिनों में अगर स्थिति ठीक होती है तो हमें जल्द ही ऑर्डर मिल पाएंगे लेकिन वर्तमान हालातों को देखकर स्थिति चिंताजनक लग रही है। अन्य मसाला कारोबारियों ने बताया कि युद्ध के चलते करोड़ों का नुकसान हो रहा है।

मगफिरत के लिए मांगीं दुआएं, बनारस में सात दिन के शोक का एलान

वाराणसी। मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना सैयद मोहम्मद अकील हुसैनी ने ईरान में शहीद हुए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की जिंदगी पर रोशनी डाली और अमेरिका व इस्राइल की जुल्म का विरोध किया। अमेरिका और इस्राइल हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने की खबर से काशी के मुस्लिम समुदाय भी मर्माहत हैं। शिया जमात ने उनके इंतकाल पर शिया जामा मस्जिद के इमाम-ए-जुमा मौलाना जफरुल हुसैनी ने सात दिन के शोक का एलान किया है। इमाम-ए-जुमा ने लोगों को अपने प्रतिष्ठान बंद रखने, काले कपड़े पहनने और घरों पर

काले झंडे लगाने का आह्वान किया है। वहीं, रविवार को मगरिब की अजान के बाद रोजा इफ्तार के दौरान रोजेदारों ने अल्लाह से खामनेई के मगफिरत के लिए दुआएं मांगीं। वक्फ मस्जिद व कब्रिस्तान खास मौलाना मीर इमाम अली पितरकुंडा में रोजा इफ्तार हुआ। मगरिब की नमाज मौलाना जफर हुसैनी ने अदा कराई। मुल्क में अमन-ओ-आमन और तरक्की के साथ खामनेई के लिए दुआख्वानी की गई। अंजुमन हैदरी ने नौहाख्वानी पेश की। इफ्तार व मजलिस में मौलाना मेहंदी रजा, मौलाना इश्तियाक अली, मौलाना बाकर रजा बलियावी, सैयद अब्बास मुतुर्जा शम्सी, इकबाल हुसैन, सैयद हैदर अब्बास चांद, हैदर मौलाई, नायाब रजा आदि ने शिरकत की। शुक्रिया मौलाना मौसूफ के खानवादे व संयोजक सैयद मुनाजिर हुसैन मंजू ने अदा किया। आज करेंगे एहतेजामी जलसा इमाम-ए-जुमा मौलाना जफरुल हुसैनी ने बताया कि ईरान पर किए गए हमले और खामनेई की मौत के विरोध में सोमवार को सुबह 11 बजे लाट सरैया में एहतेजाजी जलसा होगा। बनारस के उलेमाओं और लोगों से इस जलसे में शामिल होने की अपील की है। कहा कि सभी शांति प्रिय माहौल में शामिल होकर अपना विरोध जताएं।

अंधेरे में बैरिकेडिंग से टकराई बाइक, साथी बोले- समय पर नहीं मिला इलाज

वाराणसी। बीएचयू परिसर में सड़क हादसे के बाद छात्र की मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड और स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंच गई। नाराज छात्रों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन वे लोग मुआवजे और कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में शनिवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एमएससी एग्रीकल्चर के छात्र की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रामा सेंटर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए छात्र मुआवजे एवं उचित कार्रवाई की मांग करने लगे। औरंगाबाद, बिहार निवासी सूरज प्रताप (22), जो एमएससी एग्रीकल्चर सेकंड ईयर का छात्र था। शनिवार देर रात लगभग 12:30 बजे अपने दो दोस्तों के साथ अवेंजर बाइक से बाल गंगाधर तिलक हॉस्टल से निकला था। जैसे ही वह जे.सी. बोस हॉस्टल के पास पहुंचा, वहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था न होने के कारण उसकी बाइक बैरिकेडिंग से टकरा गई। चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप इस दुर्घटना में सूरज प्रताप को सीने और पेट में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद साथियों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया। आरोप है कि वहां समय पर इलाज न मिलने और औपचारिकताओं में देरी के कारण उसकी मौत हो गई।

राशिद नसीम की दौलत दबाने वालों की खुलेगी कुंडली, डकार गए रकम

वाराणसी। ईओडब्ल्यू अधिकारियों ने बताया कि लगभग 80 प्राथमिकी की जांच में यह सामने आया कि राशिद नसीम का पैसा दबाने

वालों की संख्या अधिक है। बैंक खाते और पीड़ितों के बयान को आधार बनाकर आरोपियों को चिह्नित करने की प्रक्रिया चल रही है। जमीन और लुभावनी स्कीम के जाल में फंसाकर हजारों निवेशकों के अरबों रुपये हड़पने वाले शाइन सिटी ग्रुप के प्रमोटर राशिद नसीम की गिरफ्तारी के बाद ईडी उसकी दौलत दबाने वालों की भी कुंडली खोलेगी। यदि राशिद नसीम को रिमांड पर लेकर पूछताछ हुई तो कई लोगों के नाम सामने आएंगे, जिन्होंने बिचौलियों की भूमिका निभाते हुए एजेंटों और किसानों का पैसा हजम किया। शाइन सिटी के पैसे से कई सफेदपोश और कॉलोनाइजर फर्श से अर्श पर पहुंच गए। लखनऊ जेल में बंद शाइन सिटी इंफ्रा के स्थानीय निदेशक मंडुवाडीह के सिंधुरिया कॉलोनी निवासी अमिताभ श्रीवास्तव की पर्सनल असिस्टेंट, पीआरओ और स्थानीय जमीन कारोबारियों को निशाने पर लिया जाएगा। सिगरा के छित्तूपुर निवासी एक कॉलोनाइजर का नाम अमिताभ श्रीवास्तव ने पूर्व में ईओडब्ल्यू की पूछताछ में लिया था, लेकिन ठोस साक्ष्य के अभाव में उक्त कॉलोनाइजर पर पुलिस हाथ नहीं डाल पाई थी। अमिताभ श्रीवास्तव और उसकी पत्नी मीरा श्रीवास्तव दोनों जेल में हैं। चौकाघाट जेल से लखनऊ जेल ट्रांसफर हुए हैं। एक-एक आरोपी पर 35 से 40 प्राथमिकी दर्ज हैं। जमानतदार के अभाव में रिहा नहीं हो पा रहे हैं। आजमगढ़ के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि तक की हुई थी गिरफ्तारी शाइन सिटी पर दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने जांच के क्रम में दिसंबर 2023 में आजमगढ़ लालगंज के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि उद्धव सिंह उर्फ सोनू की गिरफ्तारी की थी। आरोप रहा कि 500 करोड़ रुपये वसूलने के साथ ही सोनू ने उत्तर प्रदेश, मुंबई और गुजरात में कई कमर्शियल प्लॉट और प्रॉपर्टी खरीदी थीं। सोनू सिंह ने लखनऊ से ही शाइन सिटी का कारोबार पूरे पूर्वांचल में फैलाया था। शाइन सिटी का प्रमोटर नेपाल में भी पकड़ा गया था जमीन की बुकिंग कराने वाले एजेंटों को कार उपहार में देने वाले राशिद नसीम 2017 के दौरान नेपाल में पकड़ा गया था। वह जेल में बंद रहा। उसी समय उसे जेल से रिहा कराने के लिए वाराणसी से गोरखपुर तक मजबूत पैरवी हुई थी। इस बीच शाइन सिटी के मिजार्मुराद प्रोजेक्ट में जमकर ठगी हुई। इसके बाद से ही राशिद नसीम पर प्राथमिकी दर्ज होनी शुरू हुई तो उसके इनर सर्किल में शामिल लोगों ने रुपये हड़पने के साथ ही जमीन भी हड़प ली।

नरखोरिया में दुकान से लिया गुलाब जामुन का नमूना

भानपुर। तहसील क्षेत्र के भानपुर, सोनहा, नरखोरिया व दुबौली पडाव में मिठाई और किराना की दुकानों का खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश चौधरी ने एसडीएम हिमांशु कुमार के साथ निरीक्षण कर मिठाइयों के गुणवत्ता की जांची।औचक निरीक्षण की जानकारी होते ही तमाम दुकानदारों ने अपना शटर गिरा दिया। जानकारी के मुताबिक, टीम ने भानपुर कस्बा पडाव में चार, सोनहा में तीन, और नरखोरिया में दो दुकानों की जांच की। टीम ने नरखोरिया

में एक दुकान से गुलाब जामुन का सैंपल लिया। जांच में कुछ कमियां मिलने पर अवशेष गुलाब जामुन नष्ट करा दिया। अधिकारियों ने बताया कि सैंपल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने तीन सड़कों का किया लोकार्पण

कुदरहा। महादेवा के विधायक दूधराम ने रविवार को प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत तीन सड़कों का लोकार्पण किया। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की तरफ से विधानसभा क्षेत्र के टेमा,अक्सड़ा और दोफड़ा गांव में नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण कर विधायक ने नवनिर्मित सड़कों को जनता को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि गांव के विकास का रास्ता सड़कों से ही होकर गुजरता है। इससे पूर्व उन्होंने विधायक निधि से टेमा में अनुसूचित जाति बस्ती से इरफान प्रधान के घर तक सौ मीटर इंटरलॉकिंग और अक्षरा में अली अहमद के घर से अशोक के घर तक दो सौ मीटर सीसी रोड और एडापाड़ा में तालु के घर से प्रधानमंत्री सड़क तक दो सौ मीटर खड़ंजा निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि फूलचंद श्रीवास्तव, मोहम्मद नासिर खान, सुशील दुबे, गुलाम मोहम्मद, मोहम्मद इस्लाम आदि मौजूद रहे।

संयुक्त सचिव ने किया पीएम श्री विद्यालयों का निरीक्षण

बस्ती। भारत सरकार के संयुक्त सचिव विनम्र मिश्रा ने जिले के पीएम श्री विद्यालय परसा जागीर, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय एवं पीएम श्री विद्यालय मूड़घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध आधुनिक संसाधन, शिक्षण गुणवत्ता और बुनियादी ढांचे का जायजा लिया। संयुक्त सचिव ने केंद्रीय विद्यालय में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब एवं बच्चों द्वारा निर्मित रोचक विज्ञान प्रोजेक्ट्स का भी अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। परसा जागीर में विकसित किए गए हर्बल गार्डन की तारीफ की। यहां तैयार आयुर्वेदिक पौधों के बारे में जानकारी ली। स्मार्ट क्लासरूम में चल रहे शिक्षण कार्य को भी देखा। छात्रों से संवाद कर उनके पुस्तकों के बारे में जानकारी लेने के साथ उन्हें जरूरी टिप्स भी दिए। विद्यालय परिसर में स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, और सुसज्जित खेल मैदान देखकर प्रसन्नता जाहिर की।

सीडीओ ने जिला अस्पताल में सुविधाओं का लिया जायजा

बस्ती। होली पर्व के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं सतर्क बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने जिला अस्पताल बस्ती का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर (ओटी), एंबुलेंस सेवा तथा उपस्थिति पंजिका की जांच की। सीडीओ ने इमरजेंसी वार्ड में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति देखी। निर्देश दिया कि होली के दौरान 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं पूरी तत्परता से संचालित रहें तथा किसी भी मरीज का उपचार में विलंब न हो। ओटी के निरीक्षण के दौरान उपकरणों की कार्यशीलता, स्वच्छता व्यवस्था एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता देखी। एसआईसी डॉ. खालिद रिजवान अहमद को निर्देश दिया कि एंबुलेंस सेवा और अन्य सेवाओं को अलर्ट पर रखें।

उन्नाव में एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस, तीन यात्रियों की मौत

कानपुर। यूपी के उन्नाव जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ। दुर्घटना में तीन यात्रियों की जान चली गई जबकि 31 यात्री घायल हो गए। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं। एक्सप्रेसवे पर रविवार रात 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। रात करीब 12 आगरा फोर्ट की बस खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। हादसे में 14 सवारी घायल हो गईं। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच एंबुलेंस से सभी घायलों को बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया साथ ही हाइड्रा मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का प्रयास शुरू किया। पुलिस रोडवेज बस हटवाने के बाद रात्रि 2:30 बजे क्षतिग्रस्त ट्रक को प्रीतमपुरा चौकी ले

जाया जा रहा था, तभी आगरा फोर्ट की ही दूसरी रोडवेज बस इस ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में तीन सवारियों की मौत हो गई उसमें बैठी 17 सवारियां घायल हो गईं। फिर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लाई। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बसों के घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मृतकों की पहचान न होने पर शव पोस्टमार्टम हाउस में रखवाए गए हैं। कोतवाल अखिलेशचंद्र पांडेय ने बताया कि ट्रक सड़क के किनारे खड़ा था। दोनों बसों में 31 सवारियां घायल हुई हैं। तीन की मौत हुई है। शवों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

चंद्र ग्रहण के कारण पूरे दिन नहीं होंगे बाबा आनंदेश्वर के दर्शन

कानपुर। चंद्र ग्रहण के चलते तीन मार्च को आनंदेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। मंदिर प्रशासन ने रविवार को इसकी सूचना जारी की। सूतक काल को ध्यान में रखते हुए भोर 4:30 बजे होने वाली मंगला आरती के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। भक्त केवल मंगला आरती के समय ही बाबा के दर्शन कर सकेंगे। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे प्रारंभ होकर शाम 6:48 बजे समाप्त होगा। कानपुर में चंद्रोदय शाम 6:00 बजे होगा, जिससे ग्रहण का प्रभाव लगभग 48 मिनट तक रहेगा। ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र एवं सिंह राशि में लगेगा और संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिर परिसर की शुद्धि और साफ-सफाई की जाएगी। इसके बाद बाबा आनंदेश्वर का विधिवत जलाभिषेक और पूजन कराया जाएगा। शाम 7:30 बजे भक्तों के लिए मंदिर के कपाट फिर खोले जाएंगे। शाम की भोग आरती के बाद कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद फिर से दर्शन की व्यवस्था रहेगी।

किसान यूनियन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे

मोहन ठाकन

भारतीय किसान यूनियन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए कमर कस रहे हैं। मुख्य किसान यूनियनों ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले बैठक की और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे भारत में एक साथ लगातार संघर्ष की योजना बनाई, जिसमें दूसरे जरूरी मुद्दे भी शामिल थे। एसकेएम नेता और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने कहा, श्अमेरिका के साथ तथाकथित समझौता असल में देश के हितों, उसकी सम्प्रभुता, जरूरी कृषि क्षेत्र और कई तरह के औद्योगिक सामान को खुलेआम बेचना है। भारत आयात टैरिफ को शून्य कर देगा, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों के अमेरिका को निर्यात पर 18प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रंप के टैरिफ को गैर-संवैधानिक ठहराए जाने के बाद भी, भारत ने एकतरफा फ्री ट्रेड घोषणा के खिलाफ अपनी बात नहीं रखी है। अब भारत को इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए और इसके बजाय वैश्विक दक्षिण के दूसरे विकासशील देशों और ब्रिक्स, शंघाई कोऑपरेशन आदि जैसे गुटों के साथ मिलकर विकसित देशों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जैसा कि पिछले हफ्ते नई दिल्ली में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने सही सुझाव दिया था।य 24 फरवरी को कुरुक्षेत्र में हुई एसकेएम की बैठक में इस समझौते के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताते हुए, डॉ. इंद्रजीत ने बताया, श्एसकेएम की राष्ट्रीय परिषद बैठक में यह तय किया गया है कि जब तक सभी बड़ी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, जैसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करना, बिजली विधेयक, बीज विधेयक, चारों श्रम संहिताएं, जी राम जी अधिनियम,सी250प्रतिशत की दर पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, कर्ज माफी और एलएआरआर अधिनियम 2013 को लागू करने की मुख्य मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मजदूरों के साथ मिलकर स्वतंत्र संघर्षों के साथ एकजुट संघर्षों को तेज किया जाएगा। एसकेएम केन्द्रीय श्रम संगठनों के प्लेटफॉर्म और खेती-बाड़ी करने वाले मजदूर यूनियनों के साथ समन्वय बैठक करेगा और एकजुट संघर्षों की आखिरी योजना तय करेगी। इस बैठक में एसकेएम ने तय किया कि किसानों का संगठन 9 मार्च तक जनसभाओं के जरिए गांवों तक संघर्ष को ले जाएगा, जिसमें भारत के राष्ट्रपति से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को हटाने, प्रधानमंत्री को देश विरोधी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करने का निर्देश देने और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को गेहूं और धान उपजाने वाले किसानों को बोनस खत्म करने का अर्ध-सरकारी पत्र वापस लेने का निर्देश देने की मांग की जाएगी। किसान भारत के राष्ट्रपति को ऐसे खुले खत भेजने के लिए पोस्ट ऑफिस तक जुलूस निकालेंगे। बैठक में उन गांवों में अभियान चलाने का फैसला किया गया जहां सेब, सोयाबीन, कपास, मक्का वगैरह जैसी प्रभावित हुई फसलें उगाई जाती हैं। एसकेएम के प्रतिनिधिमंडल अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्ष के नेताओं से मिलेंगे और मांग करेंगे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर, यूपी में रिकॉर्ड इंस्टॉलेशन

फरवरी में 35,804 रूफटॉप प्लांट स्थापित 3,500 करोड़ से अधिक की सब्सिडी डीबीटी से हस्तांतरित, 4 लाख परिवार लाभान्वित

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा विस्तार का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रूफटॉप सोलर को जन-आंदोलन का रूप देते हुए प्रदेश ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार राज्य में अब तक 11,64,038 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3,93,293 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूर्ण हो चुके हैं। इसके माध्यम से 3,98,002 परिवार सीधे लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश में कुल स्थापित सौर क्षमता 1,343.5 मेगावाट तक पहुंच चुकी है प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश न केवल स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में अग्रणी बन रहा है, बल्कि रोजगार सृजन, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार, भूमि संरक्षण और डिजिटल ऊर्जा भविष्य की दिशा में भी एक नए युग का नेतृत्व कर रहा है। योजना अंतर्गत 2,663.57 करोड़ की केंद्रीय सरकार की सब्सिडी तथा लगभग 920 करोड़ रुपए की राज्य सरकार की सब्सिडी लाभार्थियों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की गई है। उत्तर प्रदेश जुलाई 2025 से लगातार देश में इंस्टॉलेशन के मामले में शीर्ष दो राज्यों में बना हुआ है, जो राज्य की निरंतर प्रगति और मजबूत क्रियान्वयन क्षमता को दर्शाता है यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि फरवरी माह 2026 में उत्तर प्रदेश के लिए सौर ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियों का माह साबित हुआ।इस एक माह के भीतर रिकॉर्ड 35,804 रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किए गए। 28 फरवरी 2026 को एक ही दिन में 2,211 इंस्टॉलेशन कर उत्तर प्रदेश ने पूरे भारत में किसी भी राज्य द्वारा एक दिन में किए गए सर्वाधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि राज्य की तीव्र कार्यक्षमता और मिशन मोड में चल रहे क्रियान्वयन का प्रमाण है इस योजना ने प्रदेश में व्यापक सौर ऊर्जा अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है। वर्तमान में 4,500 से अधिक वेंडर्स सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिससे 60,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है।

आर्यश्री संस्था ने मलिन बस्ती के बच्चो के साथ धूमधाम से मनाया वार्षिक खेल दिवस

लखनऊ (संवाददाता)। आर्यश्री शिक्षा समिति द्वारा ऐशबाग रेलवे स्टेडियम में मलिन बस्ती के बच्चो के साथ वार्षिक खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क शिक्षा प्रोत्साहन केंद्र के लगभग 170 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना गीत से हुई। इसके पश्चात बच्चों की रोचक दौड़ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। इसके अतिरिक्त बच्चों द्वारा योग नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। ओ हो हो हो, धड़क-धड़क तथा मिशन सिंदूर जैसे गीतों पर बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है और आप सभी बच्चे इस देश के भविष्य हैं, पढ़ाई के साथ खेलकूद भी आवश्यक है, इस प्रकार के आयोजन बच्चों में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के संबंध में संस्था की सचिव तुलिका धवन कपूर ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

यूपी में फेस्टिवल इकोनॉमी बनी आर्थिक इंजन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बीते नौ वर्षों में पर्व-त्योहारों के आयोजन का स्वरूप बदला है। सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारी और राजनीतिक स्तर पर बढ़ी सक्रियता के चलते प्रमुख पर्वों-त्योंहारों पर सांस्कृतिक आयोजनों का दायरा कहीं ज्यादा व्यापक हो गया है। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। योगी सरकार के प्रयासों से 9 वर्षों में बदले परिदृश्य ने प्रदेश में फेस्टिवल इकॉनमी को जन्म दिया है, जिसके माध्यम से न सिर्फ राज्य स्तर पर, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी बाजार में कारोबार कई गुना तक बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश में फेस्टिवल इकॉनमी को गति देने में योगी सरकार में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था निर्णायक कारक बनी है। प्रमुख पर्व-त्योहारों पर राज्य से लेकर जिला स्तर तक विशेष सुरक्षा प्लान लागू किए जाते हैं। संवेदनशील जिलों और धार्मिक नगरों में अतिरिक्त पुलिस व पीएसी बल की तैनाती, महिला सुरक्षा दल और दंगा नियंत्रण इकाइयों की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित की जाती है। ड्रोन से रियल टाइम निगरानी, प्रमुख बाजारों व आयोजन स्थलों पर व्यापक सीसीटीवी कवरेज और इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के जरिए 24घण्टे मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। यातायात के लिए पूर्व निर्धारित डायवर्जन प्लान और अतिरिक्त सार्वजनिक परिवहन लागू होता है। प्रशासन और व्यापारी संगठनों के अनुसार बेहतर सुरक्षा माहौल का सीधा असर बाजार पर दिखा है। होली, दीपावली और नवरात्र जैसे अवसरों पर कई प्रमुख बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत तक अधिक फुटफॉल दर्ज किया गया। अधिकारियों का मानना है कि भरोसेमंद कानून-व्यवस्था ने न सिर्फ लोगों को खुलकर पर्व-त्योहारों का उत्सव मनाने का अवसर दिया, बल्कि व्यापार व सेवा क्षेत्र में विश्वास का वातावरण तैयार किया है, जिससे त्योहार आर्थिक गतिविधियों का सशक्त माध्यम बन रहे हैं व्यापार मंडल पदाधिकारियों का कहना है कि पिछले नौ वर्षों में त्योहारों के दौरान बाजार गतिविधियों का दायरा स्पष्ट रूप से बढ़ा है। दीपावली, होली और नवरात्र जैसे प्रमुख अवसरों पर खुदरा बाजार में सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक कारोबार दर्ज किया जा रहा है। कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, सराफा, मिठाई, सजावटी सामग्री और पूजा उत्पादों की मांग में लगातार उछाल आया है। व्यापारिक संगठनों का दावा है कि संगठित प्रबंधन और बेहतर कानून-व्यवस्था के कारण ग्राहकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत हुए हैं।त्योहारों के सांस्कृतिक आयोजनों के विस्तार का प्रभाव पर्यटन और सेवा क्षेत्र में भी दिखाई देता है। अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और मथुरा जैसे शहरों में बड़े आयोजनों के दौरान होटल ऑक्यूपेंसी दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। परिवहन, टूर ऑपरेटर, टैक्सी, ई-रिक्शा और खानपान कारोबार में भी उछाल आया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार संगठित और सुरक्षित आयोजनों के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे अस्थायी और स्थायी दोनों प्रकार के रोजगार के अवसर बढ़े हैं। त्योहारों के विस्तारित स्वरूप का प्रभाव परंपरागत कारीगरों पर स्पष्ट दिखाई देता है। अयोध्या के दीपोत्सव के दौरान लाखों दीयों की मांग ने आसपास के जिलों के कुम्हारों को बड़े स्तर पर ऑर्डर उपलब्ध कराए। कई स्थानों पर प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से स्थानीय कुम्हारों से सीधे खरीद की व्यवस्था की गई, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वाराणसी की देव दीपावली और प्रयागराज के माघ मेले जैसे आयोजनों में हस्तशिल्प, पूजा सामग्री और पारंपरिक सजावटी वस्तुओं की बिक्री में तेज उछाल दर्ज किया गया। मथुरा-वृंदावन की होली के दौरान गुलाल, पारंपरिक परिधान और धार्मिक उपहार सामग्री के कारोबार में बढ़ोतरी देखी गई।

होली से पहले बड़ी राहत, सरकारी कर्मचारियों की सैलरी आज क्रेडिट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए होली का सबसे बड़ा तोहफा आ गया है। फरवरी महीने की सैलरी और पेंशन आज (2 मार्च 2026) खातों में क्रेडिट हो चुकी है। मूल रूप से यह 28 फरवरी को आनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी (बैंक सर्वर डाउन) की वजह से देरी हुई। कर्मचारियों की शिकायतों के बाद आज सुबह राशि ट्रांसफर कर दी गई, जिससे त्योहार से पहले सबके चेहरे पर मुस्कान आ गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि होली से पहले (होली 4 मार्च को है) सभी कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, आउटसोर्सिंग स्टाफ और सफाई कर्मचारियों का वेतन जारी हो जाए। 28 फरवरी को शनिवार को कार्यदिवस घोषित कर दिया गया था ताकि भुगतान समय पर हो सके। लेकिन सर्वर इश्यू के चलते राशि नहीं पहुंची, जिससे कर्मचारी संघों में नाराजगी फैली। यूपी राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष कमल अग्रवाल और पेंशनर्स एसोसिएशन के अमरनाथ यादव ने कई जिलों से शिकायतें आने की बात कही थी। अब सैलरी आ जाने से सब राहत की सांस ले रहे हैं, होली की शॉपिंग और मस्ती के लिए पैसा तैयार! यूपी बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं, और स्ट्रांग रूम, केंद्र व्यवस्थापक व अन्य ड्यूटी पर तैनात शिक्षक-प्रधानाध्यापक होली पर घर जाने को लेकर परेशान हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव के सख्त आदेश के मुताबिक, परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी बिना मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक की लिखित अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकते।

मूंज शिल्प ने बदली रजनी बाला की दुनिया

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन और नई संभावनाओं का दौर जारी है। महिलाएं अपने संकल्प और परिश्रम से आत्मनिर्भर विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। सुल्तानपुर के कुड़वार ब्लाक के गांव हरखपुर की रहने वाली रजनी बाला इसका सशक्त उदाहरण हैं, जिन्होंने मूंज उत्पादों में सिकहुला, भउका, दौरी, डोलची और कप जैसी कलाकृतियों को बढ़ावा देकर अपनी अलग पहचान बनाई है रजनी बाला ने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। वह बताती हैं कि मूंज शिल्प का हुनर उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला। उनकी मां भी मूंज के उत्पाद तैयार करती थीं, जिससे बचपन से ही रजनी को इस कार्य का पारिवारिक वातावरण, व्यावहारिक अनुभव मिलता रहा। उसी सीख और लगन के दम पर आज रजनी विभिन्न प्रकार के मूंज उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भर बनी हैं। उनके पति दिल्ली में एक निजी कंपनी में कैब चलाते हैं और रजनी के काम में पूरा सहयोग देते हैं। उनके दो बच्चे हैं, बेटा लखनऊ में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है, जबकि बेटी सुल्तानपुर के एक विद्यालय में अध्ययनरत है। मूंज के प्रत्येक उत्पाद की कीमत अलग-अलग होती है, लेकिन लाभ की दृष्टि से यह व्यवसाय काफी मजबूत है। रजनी बाला बताती हैं कि औसतन हर उत्पाद पर लगभग 50 प्रतिशत तक शुद्ध लाभ हो जाता है। यदि किसी उत्पाद को तैयार करने में 100 की लागत आती है, तो उसका बाजार मूल्य लगभग 150 रुपए होता है। उनके व्यवसाय को अब अन्य राज्यों से भी पहचान मिल रही है। अब तक का उनका सबसे बड़ा और लाभदायक ऑर्डर राजस्थान से मिला, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने करीब 100 महिलाओं को रोजगार का अवसर दिया रजनी बाला न केवल स्वयं सशक्त बन रही हैं, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी आजीविका से जोड़कर सामूहिक आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। उनके मूंज उत्पादों के निर्माण और विपणन में जिला उद्योग कार्यालय का महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है। विशेष रूप से जिला उपायुक्त सुश्री नेहा सिंह के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से उन्हें अपने उत्पादों को बड़े मंच तक ले जाने का अवसर मिला। उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाएं प्रदेशभर में महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं। राज्य स्तर पर अब तक लाखों महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। योगी सरकार का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक महिलाएं और युवा इन योजनाओं का लाभ उठाकर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में भागीदारी निभाएं।

बच्चों संग खेले युवराज सिंह, लड़कियों को मोटिवेट कर बोले, अच्छा कैच पकड़ा, लड़कों कुछ सीख लो

लखनऊ (संवाददाता)। क्रिकेटर युवराज सिंह सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों को क्रिकेट की टिप्स दिए। इस दौरान बच्चों ने बॉलिंग की और युवराज ने बैटिंग। इसी के साथ युवराज ने कैच लेने की प्रैक्टिस कराई। इस दौरान युवराज सिंह ने लड़कियों की तारीफ करते हुए कहा बहुत अच्छा कैच पकड़ा है। लड़कों देख लो। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा आप सभी को हर बॉल पर तैयार रहना चाहिए। मैदान पर कभी भी लूज होकर नहीं खड़े होना चाहिए। लूज खड़े रहने पर कैच छूटेगा, बॉल चली जाएगी। रिलैक्स होकर हल्के हाथ से कैच पकड़ा जाता है। इस दौरान युवराज ने अपने बैट छोड़कर भागने का अपना एक किस्सा भी सुनाया। युवराज सिंह ने खिलाड़ियों को बॉलिंग करने के टिप्स दिए। बताया कि स्पिन गेंदबाजी के साथ में पेस अटैक पर किस तरह से सही लाइन लेंथ पर बॉल की जाती है। बॉलिंग करते समय बॉडी का पॉस्चर क्या होना चाहिए? बॉल कहां से कब रिलीज करनी होती है? इसके साथ ही युवराज ने चौके-छक्के कैसे लगाएं, यह भी बताया। युवराज के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने बॉलिंग और बैटिंग भी की। युवराज सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा पहली बात मैं तीन बार का वर्ल्ड कप विनर हूं। यूपी में हैं, तो हिंदी में बात करेंगे। कई बार आप सोचते हैं कि सब बच्चे कर लेते हैं। ऐसा नहीं है। बच्चे सपोर्ट से आगे बढ़ते हैं। एक बच्चे का सपना सच करना बड़ी बात होती है। कई बच्चे क्रिकेट किट नहीं होने पर क्रिकेट खेलना छोड़ देते हैं। अब मैं क्रिकेट एकेडमी में बच्चों को क्रिकेट सिखा रहा हूं। पहले यूपी में कोई महान फैसिलिटी नहीं थी, जब यहां से 5 से 8 खिलाड़ियों ने टीम इंडिया में खेला। यहां ऐसी कोई बड़ी फैसिलिटी अब भी नहीं है। जम्मू-कश्मीर इस बार की रणजी मैच विनर है। मुझे पता है कि उस समय कैसे सामान मिल पाता था? जब खिलाड़ियों के साथ खेलता था, तो कई के पास में अपनी किट तक नहीं थी या सामान की दिक्कत थी। अपने पहले बल्ले के बारे में युवराज ने कहा कि मेरे फादर ने इसे दिया था। उन्होंने कहा था कि आज से इसी से खेलो। मैंने उस बैट से छक्का मारा, तो वह गेंद जाकर एक आदमी को लग गई। फिर उस आदमी ने मुझे दौड़ा लिया था। उस दिन मैं बैट छोड़कर भाग गया था।

होली पर लखनऊ के बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बस अड्डों पर त्योहारी सीजन के चलते यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर पर आलमबाग बस अड्डा से प्रतिदिन लगभग 1000 बसें प्रदेश के अलग-अलग जनपदों के लिए रवाना की जा रही हैं। त्योहार को देखते हुए परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू कर दिया है, जिससे यात्रियों को राहत मिल रही है। सुल्तानपुर निवासी प्रदीप ने बताया हम लखनऊ में काम करते हैं, होली पर घर जाने के लिए बसें आसानी से मिल रही हैं। प्रशासन द्वारा लगातार बसों का संचालन किया जा रहा है, जिससे ज्यादा भीड़ का सामना नहीं करना पड़ रहा है और इंतजार भी कम करना पड़ रहा है। प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने होली पर्व को देखते हुए 28 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक अतिरिक्त बसों के संचालन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि त्योहार से पहले और बाद तक यात्रियों की आवाजाही अधिक रहती है, इसलिए बसों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने गाजियाबाद, दिल्ली और पश्चिमी क्षेत्रों से आने-जाने वाले यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए इन रूटों पर बसों और कर्मचारियों की तैनाती बढ़ाने को कहा है। साथ ही पूर्वी क्षेत्रों में भी 60 प्रतिशत यात्री लोड मिलने पर अतिरिक्त सेवाएं संचालित करने के निर्देश दिए हैं।आलमबाग बस अड्डे के एआरएम राजेश कुमार सिंह ने बताया होली के चलते यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है।

एटीएस अफसर बनकर 90 लाख ठगने वाले 2 ठग गिरफ्तार, जयपुर में बैठकर गिरोह चला रहा सरगना

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एटीएस अधिकारी बनकर दंपती से करीब 90 लाख की साइबर ठगी करने वाले 2 और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस मामले में 3 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इंस्पेक्टर बृजेश यादव ने बताया 26 जनवरी 2026 को वीना बाजपेयी के मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एटीएस मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर रंजीत कुमार बताया और आतंकवाद व मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित वीना और उनके पति को सिग्नल ऐप डाउनलोड कर संपर्क में रहने को कहा गया। ऐप पर अजय प्रताप श्रीवास्तव नाम के व्यक्ति ने खुद को एटीएस अधिकारी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश और सीजर दस्तावेज दिखाए। उसने गिरफ्तारी से बचाने और खातों की जांच पूरी करने के नाम पर रकम ट्रांसफर कराने का दबाव बनाया। भय और मानसिक दबाव में आकर पीड़ित परिवार से 29 जनवरी से 9 फरवरी 2026 के बीच आरटीजीएस के जरिए अलग-अलग खातों में कुल 90 लाख ट्रांसफर करा लिए गए। बाद में आरोपियों ने 11 लाख और मांगे। असमर्थता जताने पर गाली-गलौज करते हुए जान-माल की धमकी दी गई। मामले की जांच कर रही पुलिस टीमों ने सीकर राजस्थान निवासी मनोज यादव (21) और जितेंद्र यादव उर्फ जीतू (23) को गिरफ्तार किया है। इससे पहले 17 फरवरी को पुलिस मयंक श्रीवास्तव, इरशाद और मनीष कुमार को पकड़ चुकी है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने शुरूआत में खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उन्हें लालच व डर दिखाकर जोड़ा गया था। उन्होंने दावा किया कि जयपुर में रहने वाला एक युवक उन्हें निर्देश देता था। पुलिस की सख्त पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पैसों के लालच में साइबर ठगी गिरोह से जुड़े थे। वैभव श्रीवास्तव नाम के युवक के निर्देश पर बैंक खातों व पैसों के लेनदेन का काम करते थे। दोनों ने माना कि मुख्य आरोपी का नाम पहले छुपाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने बताया कि गैंग के सदस्य सोशल मीडिया, कॉल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से शिकार तलाशते थे। खुद को सरकारी अधिकारी या विश्वसनीय संस्था बताकर भरोसा जीतते थे। लालच या भय का माहौल बनाकर रकम ट्रांसफर कराते थे। रकम लेने के लिए फर्जी या किराए के बैंक खातों का इस्तेमाल होता था। मुख्य सरगना जयपुर या अन्य स्थान से नेटवर्क संचालित करता था। काम के बाद मोबाइल नंबर बदलना, चौट डिलीट करना और फर्जी आईडी का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के मुताबिक, गिरोह बड़े नेटवर्क के जरिए काम करता था।

डेंगू से बचाव इतना भी मुश्किल नहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कब करानी चाहिए जांच

डेंगू बुखार एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू के मच्छर दिन के समय ज्यादा काटते हैं। जून से लेकर सितंबर-अक्तूबर तक भारत में डेंगू के मामले रिपोर्ट किए जाते हैं, कुछ स्थितियों में ये खतरनाक-रक्तस्रावी और जानलेवा भी हो सकता है। हर साल मानसून के दिनों में कई प्रकार की मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू उनमें से एक है जिसके कारण दुनियाभर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। भारतीय आबादी के लिए भी डेंगू एक बड़ा खतरा रहा है। जून से लेकर सितंबर-अक्तूबर तक भारत में डेंगू के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जाते हैं, कुछ स्थितियों में ये खतरनाक-रक्तस्रावी और जानलेवा भी हो सकता है। डेंगू बुखार एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू के मच्छर दिन के समय ज्यादा काटते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू किसी को भी हो सकता है, अगर समय रहते इसके लक्षणों की पहचान न हो पाए और इसका इलाज न मिले तो ये आंतरिक रक्तस्राव का खतरा बढ़ाने वाला हो सकता है, जिसमें जान भी जा सकती है। वेक्टर जनित इस रोग के बारे में लोगों के बारे में लोगों को जागरूक करने और डेंगू से बचाव को लेकर अलर्ट करने के

उद्देश्य से 16 मई को नेशनल डेंगू डे मनाया जाता है।

मच्छरजनित रोगों का खतरा-डेंगू

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू-चिकनगुनिया हो या मलेरिया, इन सभी से बचाव को लेकर लगातार अलर्ट रहने की आवश्यकता है। इसके लिए, मच्छरों के काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनना, मच्छर भगाने वाली दवाओं का इस्तेमाल करना और यह सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है कि घरों और समुदायों के आस-पास पानी जमा न हो। डेंगू के मामले वैसे तो मानसून के दिनों में अधिक देखे जाते रहे हैं, पर बचाव को लेकर सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए कुछ जरूरी टिप्स साझा किए हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना और इसका पालन करते रहना जरूरी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिए जरूरी सलाह

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ जरूरी सलाह दिए हैं, जिनकी मदद से आप डेंगू के लक्षणों को पहचानकर समय रहते इलाज के लिए जा सकते हैं। इसके अलावा कुछ सावधानियों को ध्यान में रखकर आप और आपका परिवार डेंगू से सुरक्षित रह सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि डेंगू के खतरे और इसके कारण होने वाली जटिलताओं से बचे रहने के लिए सबसे जरूरी है कि आप इसके लक्षणों की पहचान करें।

अगर आपको कुछ दिनों से तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर पर लाल चकत्ते, आंख घुमाने पर दर्द हो रहा है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए।

डेंगू के कारण आपको पीठ और जोड़ों में दर्द के साथ कुछ स्थितियों में मसूड़ों और नाक से खून आने की भी दिक्कत हो सकती है।

ईपीएफओ पर सरकार का फैसला, कर्मचारियों के लिए ब्याज दर 8.25: बरकरार

नयी दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत निर्धारित की। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा गया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2024 में ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। ईपीएफओ ने मार्च, 2022 में अपने सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद जमा पर ब्याज दर को 2021-22 के लिए घटाकर चार दशक से अधिक के न्यूनतम स्तर 8.10 प्रतिशत कर दिया था, जो 2020-21 में 8.5 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 8.10 प्रतिशत की दर 1977-78 के बाद सबसे कम थी। उस समय यह दर 8.0 प्रतिशत थी। सूत्रों ने बताया, ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले सर्वोच्च निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने सोमवार को अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर देने का निर्णय किया है। सीबीटी के निर्णय के बाद, 2025-26 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की सहमति के लिए भेजा जाएगा। सरकार की मंजूरी के बाद, 2025-26 का ब्याज ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा कर दी जाएगी। ईपीएफओ वित्त मंत्रालय के माध्यम से सरकार की मंजूरी के बाद ब्याज दर प्रदान करता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 2018-19 के लिए निर्धारित 8.65 प्रतिशत से घटाकर सात वर्षों में सबसे कम 8.5 प्रतिशत कर दिया था। ईपीएफओ ने 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। वहीं वित्त वर्ष 2013-14 और 2014-15 दोनों वर्षों में 8.75 प्रतिशत की ब्याज दर दी, जो 2012-13 की 8.5 प्रतिशत दर से अधिक थी। 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी।

ब्लूटूथ लगाकर ट्रैक पार कर रहे युवक की ट्रेन से कटकर मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रेलवे ट्रैक पार करते समय एक युवक की मौत हो गई। हादसा मड़ियाव थाना क्षेत्र स्थित भिटौली चौराहे के सामने सोमवार सुबह रेलवे क्रॉसिंग पर हुआ। युवक कान में ब्लूटूथ लगाकर ट्रैक पार कर रहा था। इस वजह से उसे ट्रेन की आवाज और हॉर्न नहीं सुनाई दिया। मृतक की पहचान जानकीपुरम विस्तार सेक्टर-3 निवासी सोएब के रूप में हुई है। वह फेरी लगाकर चूड़ियां बेचता था। इसी से अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सोएब कान में ब्लूटूथ लगाकर रेलवे पटरी पार कर रहा था इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेन आ गई। माना जा रहा है कि ब्लूटूथ लगे होने की वजह से उसे ट्रेन की आवाज और हॉर्न सुनाई नहीं दिया। जिस कारण वह ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक काफी दूर जा गिरा और रेल पटरी किनारे पड़ी लकड़ी के पास आकर रुका। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर जीआरपी और मड़ियाव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को घटनास्थल से ब्लूटूथ डिवाइस, पर्स और मोबाइल फोन बरामद हुआ। मड़ियाव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। अपनों का शव देख परिवार में कोहराम मच गया और परिजन रोते-बिलखते नजर आए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुपोषण के खिलाफ जीवनरक्षक ढाल संभव अभियान

लखनऊ (संवाददाता)। कुपोषण और भुखमरी दूर करने के लिए योगी सरकार की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि प्रदेश में लाखों नौनिहालों की जान बचाने में सफलता मिली है। संभव अभियान से अति गंभीर कुपोषित सैम बच्चों में से 81 प्रतिशत सामान्य स्थिति में आ चुके हैं। यह एक समग्र प्रयास है जो जीवन के पहले 1000 दिनों में कुपोषण की रोकथाम, समय पर पहचान और प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करता है प्रदेश में बड़ी संख्या में बच्चे तीव्र कुपोषण से जूझ रहे थे, जिससे उनके जीवन और विकास पर खतरा मंडरा रहा था। सरकार ने इस समस्या को बड़ी चुनौती के रूप में लिया और केंद्र सरकार की मदद से इस पर व्यापक रणनीति बनाई। संभव अभियान को मजबूत करने में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 1.89 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों में ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस का उपयोग और पोषण ट्रैकर का कार्यान्वयन किया गया। पंजीकृत कुपोषित बच्चों का डाटा स्वास्थ्य विभाग के ई-कवच एप्लीकेशन से जोड़ा गया, जिससे उपचार और फॉलोअप में पारदर्शिता आई। 1.7 करोड़ से अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग कर 2.5 लाख कुपोषित बच्चों का पंजीकरण किया गया। सम्भव अभियान केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि गर्भावस्था से ही पोषण सुरक्षा की नींव रखता है। कम वजन और एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं की पहचान कर प्रारंभिक पंजीकरण, नियमित वजन निगरानी, आयरन फोलिक एसिड और कैल्शियम सेवन तथा पोषण परामर्श सुनिश्चित किया जा रहा है। 0 से 6 माह तक के शिशुओं में लो बर्थ वेट और प्री-टर्म बच्चों की पहचान कर विशेष निगरानी की जाती है। कुपोषित श्रेणी के बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने की दर में दिनोंदिन वृद्धि हो रही है। यह राज्य के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि है।

रंगों के उत्सव पर प्रदेशवासियों को मंगलमय शुभकामनाएं

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रंगों के उत्सव होली के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस पर्व को आपसी प्रेम, सामाजिक समरसता और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताया है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का त्योहार हमारी गौरवशाली संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। यह पर्व समाज के सभी वर्गों के बीच भेदभाव को मिटाकर एक-दूसरे के प्रति स्नेह और भाईचारा बढ़ाने का संदेश देता है। होली केवल रंगों का खेल नहीं बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव है। भक्त प्रहलाद की अटूट श्रद्धा विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।उन्होंने अपील की कि इस पावन पर्व पर हम सभी आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाएं और एक सशक्त व समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों को दी होली की हार्दिक शुभकामनाएं

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।अपने संदेश में उन्होंने कहा कि होली भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण और जीवंत पर्व है, जो प्रेम, सौहार्द, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें आपसी मतभेदों और कटुता को भुलाकर एक-दूसरे के प्रति सद्भाव, सहयोग और अपनत्व की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। होली का पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का परिचायक है। यह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। ऐसे अवसर पर हमें सामाजिक एकता, पारस्परिक सम्मान और सामंजस्य को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे होली का उत्सव शांति, सौहार्द और जिम्मेदारी के साथ मनाएं तथा प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें।

सैमसन आक्रामक होकर नहीं खेले, उन्होंने सामान्य शॉट लगाए, कोच गौतम गंभीर ने क्यों कहा ऐसा?

कोलकाता। न्यूजीलैंड सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन को दबाव से उबारने के लिए ब्रेक दिया गया। कोच गौतम गंभीर ने खुलासा किया कि यह रणनीतिक फैसला था। वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी ने उनकी प्रतिभा साबित कर दी और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन को ब्रेक देना टीम मैनेजमेंट की सोची-समझी रणनीति थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच पारियों में संजू के स्कोर 10, 6, 0, 24 और 6 रहे। आलोचना तेज हुई और उनके करियर पर सवाल उठने लगे। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'निश्चित रूप से न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसलिए उन्हें विश्राम देना जरूरी हो गया था क्योंकि आप उन्हें उस दबाव वाली स्थिति से बाहर निकालना चाहते थे।' टी20 विश्व कप के करो या मरो मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ संजू ने नाबाद 97 रन की पारी खेलकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। उनका स्ट्राइक रेट 194 के करीब रहा, लेकिन बल्लेबाजी में कहीं भी हड़बड़ी नजर नहीं आई। उनकी पारी की बदौलत भारत ने आसानी से 196 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। मैच के बाद गंभीर ने कहा, 'संजू आक्रामक अंदाज में नहीं खेले। उन्होंने सामान्य शॉट लगाए। मैंने उन्हें गेंद को जोर से मारते हुए भी नहीं देखा। यही उनकी प्रतिभा है।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'हम जानते थे कि संजू कितना प्रतिभाशाली है। बहुत कम बल्लेबाजों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतक लगाए हैं। इसलिए हमें भरोसा था कि जब भी जरूरत पड़ेगी, वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' जिम्बाब्वे मैच बना टर्निंग पॉइंट गंभीर का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच जिताऊ पारी की नींव जिम्बाब्वे के खिलाफ रखी गई थी, जहां संजू ने 15 गेंदों में 24 रन बनाए थे। कोच ने कहा, 'जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने शानदार शुरुआत दी। आज भी उन्होंने वहीं से अपनी पारी आगे बढ़ाई। हम संजू से यही उम्मीद करते हैं कि वह लगातार ऐसा प्रदर्शन करें।' रिंकू सिंह के पारिवारिक कारणों से अनुपलब्ध रहने और शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की अधिकता को देखते हुए टीम प्रबंधन ने संजू को ओपनर के रूप में आजमाया, और यह फैसला सफल साबित हुआ। मानसिक मजबूती पर जोर जब गंभीर से पूछा गया कि उन्होंने संजू से मानसिक रूप से क्या बात की, तो उन्होंने कहा, 'मैं सभी खिलाड़ियों से बात करता हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी विश्वस्तरीय हैं और इसीलिए वे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।' गंभीर ने साफ किया कि टीम मैनेजमेंट को संजू की क्षमता पर कभी संदेह नहीं था। उन्होंने कहा, 'हमें पता था कि जब भी हमें विश्व कप में उनकी जरूरत पड़ेगी, वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' असली परीक्षा अभी बाकी संजू की यह पारी सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की वापसी थी। आलोचनाओं के बीच ब्रेक ने उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा किया और बड़े मंच पर उन्होंने अपनी काबिलियत साबित की। अब पांच मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में टीम इंडिया को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर लगा 50-50 लाख का जुमार्ना?

कराची। टी20 विश्वकप 2026 में सेमीफाइनल में न पहुंच पाने पर ढउइ ने खिलाड़ियों पर 50 लाख ढङफका जुमार्ना लगाया। भारत और इंग्लैंड से हार के बाद दिग्गजों ने टीम की रणनीति और चयन पर सवाल उठाए। कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों पर आलोचना तेज है, अब बड़े बदलाव की मांग उठ रही है। टी20 विश्वकप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) ने बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहने पर टीम के प्रत्येक खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (करीब 16 लाख भारतीय रुपये) का जुमार्ना लगाया गया है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, यह फैसला भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज हार और सुपर-8 में इंग्लैंड से मिली शिकस्त के बाद लिया गया। हालांकि, टीम ने श्रीलंका के खिलाफ करीबी जीत दर्ज की, लेकिन वह सेमीफाइनल की राह नहीं खोल सकी। बताया जा रहा है कि बोर्ड के अधिकारी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज थे और लगातार आईसीसी टूनार्मेंट्स में असफलता को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया। दिग्गजों की तीखी प्रतिक्रिया पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, 'आपको दो साल में एक मौका मिलता है कि अपने देश के क्रिकेट की छाप छोड़ सकें और आप फिर असफल हो जाते हैं। यह देखना बेहद निराशाजनक है।' उन्होंने आगे कहा कि टी20 अब बेहद योजनाबद्ध प्रारूप बन चुका है और पाकिस्तान के खिलाड़ी बाकी टीमों के स्तर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने भी चयन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों को खुद को साबित करने के लिए बहुत ज्यादा मौके दिए गए, लेकिन वे बड़े टूनार्मेंट में प्रदर्शन नहीं कर पाए। अब आगे बढ़ने और गलतियों से सीखने का समय है।' वहीं मोईन खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जब तक आप ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हराने की क्षमता नहीं रखते, तब तक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकते। चयन और मैदान दोनों जगह हमने बहुत गलतियां कीं।' कप्तानी और सीनियर खिलाड़ियों पर सवाल पूर्व कप्तान बाबर आजम, मौजूदा कप्तान सलमान अली आगा, और सीनियर खिलाड़ी जैसे शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज कड़ी आलोचना झेल रहे हैं। खबर है कि अगा कप्तानी छोड़ सकते हैं। पूर्व कोच सकलैन मुश्ताक भी विवादों में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने दामाद शादाब खान के प्रदर्शन का बचाव करते हुए मुख्य कोच माइक हेसन पर ठीकरा फोड़ा। क्या जुमार्ना समाधान है? पाकिस्तान ने टूनार्मेंट का अंत जीत के साथ किया, लेकिन पूरे अभियान ने देश के क्रिकेट माहौल को मायूस कर दिया।

जिम्बाब्वे की स्वदेश वापसी में क्यों आ रही अड़चन? दुबई हवाई अड्डा बंद होने से बढ़ी मुश्किलें

ईरान और इस्राइल के बीच जारी संघर्ष के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इससे जिम्बाब्वे टीम भी अछूती नहीं है। जिम्बाब्वे का सफर टी20 विश्व कप में खत्म हो गया है, लेकिन दुबई एयरपोर्ट बंद होने के कारण उसे स्वदेश लौटने में परेशानी आ रही है। टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन कर चुकी जिम्बाब्वे की टीम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद स्वदेश वापसी की योजना पर स्पष्टता का इंतजार कर रही है। जिम्बाब्वे को रविवार को सुपर आठ चरण के उसके आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका से शिकस्त मिली। इस मैच से पहले ही टीम का सुपर आठ चरण से आगे नहीं बढ़ना तय था और खिलाड़ियों की यात्रा योजना तैयार थी। सोमवार को होना था रवाना सिकंदर रजा की अगुआई वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के अंतिम मुकाबले में हार के बाद मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि फिलहाल उन योजनाओं को स्थगित कर दिया गया है। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर खिलाड़ी ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अनिश्चित हो गई है। टीम के खिलाड़ियों को दुबई से कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। सैमन्स बोले- टीम के लिए स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल है लेकिन फिर भी सबका ध्यान खेल पर ही था। सबके दिमाग में यह था कि उन्हें अगली सुबह (सोमवार) को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर चर्चा हो रही है। लेकिन मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर था। जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई अपडेट नहीं था। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई सूचना नहीं मिली है। दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अदीस अबाबा स्थित इथियोपियन एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटना एक विकल्प हो सकता है। आईसीसी ने शनिवार को कहा था कि वह भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था पर काम कर रही है। यह कदम अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका अब भी टूर्नामेंट में बना हुआ है और उसे चार मार्च को कोलकाता में सेमीफाइनल खेलना है। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। कॉनराड ने कहा, यह हर बातचीत में सामने आता है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम हालांकि खेल पर ध्यान देने में कामयाब रहे है। इन चीजों को सुलझाने के लिए हूमें अपने प्रबंधन और आईसीसी पर भरोसा है। अभी हमारा पूरा ध्यान कोलकाता में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

ईरान-इस्राइल के बीच जारी संघर्ष का असर! जिम्बाब्वे टीम को स्वदेश लौटने में क्यों हो रही दिक्कत?

नई दिल्ली। ईरान-इस्राइल संघर्ष के कारण दुबई एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है, जिससे टी20 विश्वकप 2026 के बाद जिम्बाब्वे टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। टीम दिल्ली में रुकी है और वैकल्पिक उड़ान का इंतजार कर रही है। आईसीसी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी के लिए दूसरी व्यवस्था करने में जुटा है। ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे संघर्ष का असर टी20 विश्व कप 2026 की व्यवस्थाओं पर पड़ा है। विश्व कप में अपना सफर समाप्त करने के बाद भी जिम्बाब्वे की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। दरअसल, ईरान ने इस्राइल की तरफ से हुए हमलों पर पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के कई देशों पर हमले किए हैं। यूएई का नाम भी इसमें शामिल है। दुबई एयरपोर्ट के आस-पास भी धमाके हुए हैं। इस वजह से दुबई एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की टीम को सोमवार को नई दिल्ली से निकलते हुए दुबई से अपने देश के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों की स्वदेश यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। कोच का बयान टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने कहा, 'खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल है। सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार की सुबह घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर चर्चा हो रही है। रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच शुरू होने तक कोई अपडेट नहीं था।' दिल्ली में रुके हैं जिम्बाब्वे के खिलाड़ी फिलहाल जिम्बाब्वे के खिलाड़ी दिल्ली में रुके हुए हैं और अगली सूचना का इंतजार कर रहे हैं। टीम अब तय नहीं बल्कि अगले शेड्यूल और कार्यक्रम के मुताबिक स्वदेश लौटेगी। दुबई एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के लिए अदीस अबाबा स्थित इथियोपियन एयरलाइंस के जरिए उन्हें स्वदेश भेजने की व्यवस्था की जा सकती है। आईसीसी ने शनिवार को कहा था कि टी20 विश्व कप के बाद स्वदेश लौटने वाले खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है।

हर्षित के माता-पिता ने प्लांट के अफसरों पर लगाए गंभीर आरोप, सीबीआई जांच की मांग

पीलीभीत: पीलीभीत के डीएम और एसपी ने शनिवार को पूरनपुर जाकर हर्षित मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान हर्षित के माता-पिता ने घटनास्थल से भागे अफसरों के नाम एफआईआर में शामिल कराने, सीबीआई जांच कराने और दर्ज रिपोर्ट में उनकी तहरीर को शामिल कराने की मांग की। बदायूं जनपद के गांव सैजनी के समीप स्थित एचपीसीएल के कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट के वरिष्ठ अधिकारियों सुधीर गुप्ता व पूरनपुर के हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या की घटना का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। प्रमुख सचिव ने इसकी मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। शासन के सख्त रुख पर शनिवार को पीलीभीत में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और एसपी सुकीर्ति माधव ने एचपीसीएल के उप प्रबंधक हर्षित मिश्रा के घर पहुंचकर उनके माता-पिता मुलाकात की। हर्षित के माता-पिता ने घटना स्थल से भागे अफसरों के नाम एफआईआर में शामिल कराने, सीबीआई जांच कराने और दर्ज रिपोर्ट में उनकी तहरीर को शामिल कराने की मांग की। हर्षित के पिता सुशील मिश्रा और मां रानी देवी ने पुत्र हर्षित की साजिशन हत्या का आरोप लगाया। कहा कि घटना के समय चल रही बैठक में उनके पुत्र सहित पांच अफसर थे। तीन अफसर मौके से भाग गए। अगर तीनों अफसर नहीं भागते और उनके पुत्र और घायल दूसरे अधिकारी को समय रहते अस्पताल पहुंचाया जाता। तब शायद पुत्र की जान बच सकती थी। इसके अलावा एफआईआर ऐसे अफसर की ओर से दर्ज कराई गई, जिसने घटना के कुछ देर बाद ही उनको घटनास्थल पर मौजूद न होने की जानकारी दी। रिपोर्ट बैठक में शामिल रहे और घटना के चश्मदीद अफसरों की ओर से दर्ज कराई जानी चाहिए थी। वादी पर उनका विश्वास ही नहीं है।

रिपोर्ट में जुड़े उनकी तहरीर, सीबीआई जांच हो हर्षित के माता-पिता ने कहा कि दर्ज रिपोर्ट में उनकी ओर से दी गई तहरीर को जुड़वाया जाए। पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए। बदायूं जाने पर उनको सुरक्षा दी जाए। परिजन ने कहा कि घटना के बाद बैठक में शामिल मुख्य अफसर ने तो अपना मोबाइल ही बंद कर लिया है। तब से उससे बात तक नहीं हो पा रही है। अफसरों ने अपनी रिपोर्ट में उनकी बताई बातों को शामिल करने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि घटना को मुख्यमंत्री ने संज्ञान में लिया है। प्रमुख सचिव खुद इसकी मानिटरिंग कर रहे हैं।

पत्नी रोकती रही, जरूरी बैठक की बात कहकर गए थे हर्षित हर्षित के माता पिता ने अफसरों को बताया कि बैठक में कौन अफसर शामिल हो रहे हैं, इसकी जानकारी पुत्र ने एक दिन पहले ही मोबाइल पर हुई बातचीत में दी थी। बैठक में शामिल होने को बरेली स्थित आवास से निकलने पर उनकी पत्नी रोकती भी रही थी, लेकिन हर्षित बैठक जरूरी होना बताकर घर से निकले थे।

पिछले कई दिनों से रास्ते में रोक रहा था मुख्य आरोपी हर्षित मिश्रा की मां रानी मिश्रा ने बताया कि उनका पुत्र और उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता एक ही गाड़ी से प्लांट पर अक्सर जाते थे। मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह अक्सर रास्ते में गाड़ी के आगे बाइक लगाकर अभद्रता करता और धमकाता था। चार फरवरी को सुधीर गुप्ता ने उसके खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। फिर भी पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की। घटना से पहले तो लगातार कई दिनों से रास्ते में रोककर धमका रहा था। इसकी जानकारी पुत्र ने कई बार देने के साथ घटना से एक दिन पहले शाम को दी थी। कई बार वहां के डीएम-एसपी से मिलकर सुरक्षा की मांग की थी। सुरक्षा न मिलने से पुत्र की हत्या हुई है।

पोस्टमॉर्टम के बाद हर्षित के पास नहीं मिले अंगूठी-घड़ी और पर्स हर्षित के माता-पिता ने हर्षित की अंगूठी-घड़ी और पर्स गायब करने का आरोप लगाया। डीएम और एसपी को बताया कि पुत्र का मोबाइल और लैपटॉप तो शायद बैठक कक्ष में छूट गया। हर्षित के हाथ में सोने की अंगूठी, घड़ी और जेब में पर्स था। पोस्टमॉर्टम के बाद यह सामान नहीं मिला। अफसरों से हर्षित की अंगूठी, घड़ी, पर्स, लैपटॉप आदि सामान दिलाने की मांग की।

घटना के समय प्लांट के मुख्य गेट पर तैनात था आरोपी का सगा भाई हर्षित के पिता सुशील मिश्रा ने अफसरों को बताया कि मुख्य आरोपी को राजनीतिक संरक्षण था। पुलिस और उच्च अफसरों से कई बार शिकायत के बाद भी उन लोगों की नहीं सुनी गई। दबंग मुख्य आरोपी, कुछ अफसर व राजनीतिक नेता कर्मचारियों की हाजिरी का दबाव बनाते थे। एक उच्च अफसर के इशारे पर ही मुख्य आरोपी को नौकरी से हटाया गया था। अफसर मुख्य आरोपी को अक्सर दोबारा रखवाने का आश्वासन देते थे। इसको लेकर हर्षित और सुधीर गुप्ता की रंजिश मुख्य आरोपी से बढ़ती गई। बताया कि मुख्य आरोपी के सगे भाई के शस्त्र लाइसेंस धारी न होने के बाद भी उसे सुरक्षा गार्ड पद पर रखवाया गया था। वह अपने पिता का लाइसेंसी शस्त्र लेकर ड्यूटी करता था। घटना के समय मुख्य आरोपी का सगा भाई गेट पर तैनात था, जिसने मुख्य आरोपी को परिसर में आने की मदद की थी।

अलंकार अग्निहोत्री ने हत्यारोपी को बचाने के षडयंत्र का लगाया आरोप शुक्रवार की रात करीब 10 बजे को हर्षित मिश्रा के घर पहुंचे बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने परिजन से घटना की जानकारी ली। कहा कि एफआईआर घटना के समय मौजूद रहने वाले अफसर की ओर से होनी चाहिए। अफसर घटना के समय भाग कर बरेली से मुंबई चले गए। एचसीपीएल के कोई उच्च अफसर हर्षित के घर नहीं पहुंचा। एचसीपीएल के एडी ने हर्षित के भाई को बरेली आने को कहा। उन्होंने कहा कि वादी बाद में पलट जाएगा। हत्यारोपी को बचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जातिवादी है। पुलिस और प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए।

मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए अनशन पर बैठे महंत, मांगें पूरी न होने पर समाधि लेने की दी चेतावनी

पीलीभीत: पीलीभीत के बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र में प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार समेत कई अन्य मांगों को लेकर महंत सत्यगिरि अनशन कर रहे हैं। शनिवार को उनके अनशन का सातवां दिन था। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो वह समाधि ले लेंगे। पीलीभीत के बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के गांव मझिगवां स्थित प्राचीन श्री सिद्ध लंगड़े बाबा आश्रम परिसर में बने मंदिर का जीर्णोद्धार की मांग को लेकर महंत सात दिन से अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि तहसील प्रशासन ने शनिवार को अनशन समाप्त करा देने की बात कही, लेकिन महंत ने इससे इन्कार किया। महंत का कहना है कि अगर कोई जन प्रतिनिधि नहीं आया तो वह समाधि ले लेंगे। बिलसंडा नगर के समीप श्री लंगड़े बाबा देवस्थल सैकड़ों वर्ष पुराना है। इसकी मान्यता है कि पूर्व में यहां बड़ा मेला लगता था। बच्चों के मंडन संस्कार हुआ करते थे। इस आश्रम के आसपास कहीं भी ओलावृष्टि नहीं होती थी। वर्तमान समय में महंत सत्यगिरि मंदिर में रहकर यहां की देखरेख करते हैं। उनका कहना है कि मंदिर की ओर कोई भी ध्यान भी दे रहा है। मंदिर जर्जर होता जा रहा है, रास्ता भी कच्चा है। पुलिया का भी अभी तक निर्माण नहीं किया गया। मंदिर का जीर्णोद्धार, सड़क और पुलिया निर्माण समेत अन्य मांगों को लेकर महंत सत्यगिरि अनशन पर बैठ गए। शनिवार को अनशन का सातवां दिन था।

मांगें पूरी होने पर ही समाप्त करेंगे अनशन अनशन की जानकारी होते ही तहसीलदार हबीब अंसारी, बीडीओ अमित शुक्ला, एसओ सिद्धांत शर्मा और लेखपाल विवेक दीक्षित आश्रम परिसर में पहुंचे। महंत सत्यगिरि ने अफसरों के सामने आश्रम तक पक्की सड़क, नहर पुलिया निर्माण, मॉडल शौचालय और मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग रखी। उन्होंने बताया कि शनिवार को पहुंचे अधिकारियों के आश्वासन से वह संतुष्ट नहीं हैं। मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग का प्रस्ताव पूरा होने बाद ही अनशन समाप्त करेंगे। मांग पूरी न होने पर नवरात्र के पहले दिन समाधि लेने की चेतावनी दी। तहसीलदार हबीब अंसारी ने बताया कि अनशन की सूचना पर वह आश्रम पहुंचे थे। महंत की मांगों को सुना गया है। आश्वासन पर महंत ने अपना अनशन समाप्त कर दिया है। वहीं महंत सत्यगिरि का कहना है कि मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर जब तक कोई जनप्रतिनिधि आश्रम परिसर नहीं पहुंचता है। मंदिर के जीर्णोद्धार कराए जाने के लिए धनराशि मुहैया नहीं कराता है। तब तक अनशन जारी रहेगा।

बदायूं हत्याकांड: पीलीभीत में हर्षित मिश्रा के घर पहुंचे अलंकार अग्निहोत्री, यूपी सरकार को बताया जातिवादी

पीलीभीत: पीलीभीत के पूरनपुर निवासी हर्षित मिश्रा बदायूं के दातागंज क्षेत्र में स्थित एचपीसीएल प्लांट में उप प्रबंधक थे। बृहस्पतिवार को दिनदहाड़े अजय प्रताप सिंह नाम के पूर्व कर्मचारी ने हर्षित मिश्रा और प्लांट के मुख्य प्रबंधक सुधीर गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड पर अलंकार अग्निहोत्री ने यूपी सरकार, एचपीसीएल और बदायूं जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री शुक्रवार देर रात बदायूं के एसपीसीएल प्लांट में हुई हर्षित मिश्रा की हत्या से शोकाकुल परिजनों को ढाढ़स बंधाने उनके घर पूरनपुर पहुंचे। अग्निहोत्री ने प्रदेश सरकार, एचपीसीएल और बदायूं जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। अलंकार अग्निहोत्री ने पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर पर भी गंभीर सवाल उठाए। कहा कि हत्याकांड के समय जो लोग मौजूद थे, उनकी बजाय तीसरे व्यक्ति की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि जातिवादी सरकार है, एक जाति को बचाने के लिए कार्य कर रही है। जिला प्रशासन का कोई भी व्यक्ति न तो बदायूं पहुंचा और न ही हर्षित के घर आया। उन्होंने कहा कि एचपीसीएल के अफसर पीड़ित के घर आने के बजाय परिजनों को ही बरेली बुला रहे हैं। इनके बिल्कुल संवेदनशीलता नहीं है। 'यहां के सांसद की तो खैर बात ही छोड़ो' अलंकार अग्निहोत्री ने विधायक, सांसद पर भी सवाल उठाए।

गन्ने के खेत में मिला महिला का शव, अस्त-व्यस्त थे कपड़े, गले में बंधी थी साड़ी; हत्या की आशंका

पीलीभीत: पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र में बुधवार से लापता महिला का शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला। परिजनों ने गला घोंटकर हत्या की आशंका जताई है। पीलीभीत जिले में होली के दिन घर से बकरी चराने निकली जहानाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 55 वर्षीय महिला का शव बृहस्पतिवार को गांव के बाहर गन्ने के खेत में पड़ा मिला। ग्रामीणों के अनुसार महिला के गले में साड़ी का फंदा लिपटा था। कपड़े भी अस्त व्यस्त थे। परिजन ने महिला की गला घोंटकर हत्या की आशंका जताई है।

एक्सप्रेस व्यूज

(हिन्दी मासिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।

सम्पादक

मोहित कुमार

नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।